Download UPPSC/UPPCS Mains 2019 Optional Exam Question Paper

"Political Science and International Relations (PSIR) (Paper-2)"

"Held on 26-09-2020"

No. of Printed Pages : 4

Serial No. 4068022

GLPC – 21/19-Paper-II

राजनीति विज्ञान एवं अन्तर्राष्ट्रीय संबंध (प्रश्न–पत्र – II)

POLITICAL SCIENCE AND INTERNATIONAL RELATIONS (Paper – II)

निर्धारित समय : तीन घंटे] [अधिकतम अंक : 200

Time Allowed : Three Hours] [Maximum Marks : 200

विशेष अनुदेश :
(i) दो खण्डों में कुल आठ प्रश्न दिये गए हैं, जो हिन्दी एवं अंग्रेजी दोनों में छपे हैं ।
(ii) प्रत्येक खण्ड से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करते हुए, कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
(iii) प्रत्येक प्रश्न के अंत में निर्धारित अंक अंकित हैं ।
(iv) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

Specific Instructions :
(i) There are total **eight** questions in **two** Sections printed in both **Hindi** and **English**.
(ii) Answer **five** questions, selecting atleast **two** questions from **each** Section.
(iii) Marks are given against **each** of the question.
(iv) **All** questions carry **equal** marks.

खण्ड – अ/SECTION – A

1. (a) अन्तर्राष्ट्रीय संबंध का क्षेत्र आज अपेक्षाकृत न केवल स्पष्ट अपितु व्यापक भी है । विस्तार कीजिए । 15

The scope of International Relations today is comparatively not only clear but also comprehensive. Expand.

(b) समकालीन अन्तर्राष्ट्रीय संबंध यथार्थवादी सिद्धान्त से अधिक प्रभावित हैं । उदाहरण सहित विवेचना कीजिए । 15

Contemporary International Relations are more influenced by the Realist Theory. Discuss with examples.

(c) सोदाहरण स्पष्ट कीजिए कि किस प्रकार निर्णय प्रक्रिया पर आन्तरिक और बाह्य परिवेश का, जैसा उन्हें निर्णयकर्ता अनुभव करता है, प्रभाव पड़ता है । 10

Clarify with illustrations the way decision making is influenced by the external and internal environment as perceived by the decision-maker.

Downloaded from: http://studymarathon.com/

2. (a) 'अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति में शत्रु और मित्र स्थायी नहीं हैं, किन्तु राष्ट्रीय हित है । इस संदर्भ में, किसी राष्ट्र की विदेश नीति के निर्माण में राष्ट्रीय हित की भूमिका का परीक्षण कीजिए । 15
Friends and Foes are not permanent in International Politics, but National Interest is. In this context examine the role of National Interest in shaping the foreign policy of a nation.

(b) साम्राज्यवाद और उपनिवेशवाद, यद्यपि अपने राजनीतिक रूप में विश्व से विदा हो चुके हैं, किन्तु अपने आर्थिक वेश में उनका अस्तित्व अभी भी बना हुआ है ।" विचार कीजिए । 15
"Though Imperialism and Colonialism in their political form have disappeared from the world, they are very much in existence in their economic garb." Discuss.

(c) राजनय न केवल विदेश नीति के कार्यान्वयन की प्रविधि है, अपितु एक उपकरण भी है, जिसके द्वारा अन्य प्रविधियाँ यथा सैनिक और आर्थिक सफलतापूर्वक प्रयुक्त हो सकती हैं । वैदेशिक संबंधों के क्रियान्वयन में राजनय के महत्त्व का विवेचन कीजिए । 10
Diplomacy is not only a technique of foreign policy implementation, but also an instrument by which other techniques-military and economic can be successfully deployed. Discuss the significance of Diplomacy in the conduct of foreign relations.

3. (a) शीतयुद्धोत्तर अन्तर्राष्ट्रीय परिदृश्य में शक्ति संतुलन की अवधारणा बहुत हद तक अपनी प्रासंगिकता खो चुकी है । विवेचना कीजिए । 15
The concept of balance of power has to a great extent lost its relevance in the post cold war International Scenario. Analyse.

(b) "आरंभ से ही संयुक्त राष्ट्र विश्व राजनीति का एक सूक्ष्म जगत रहा है । इस संस्था के आन्तरिक घटनाक्रम इसके बाहर होने वाली घटनाओं और वातावरण को ही प्रतिबिंबित करते हैं ।" टिप्पणी कीजिए । 15
"From the beginning the United Nations has been a microcosm of world politics with developments within the institutions tending to mirror the happenings outside its walls." Comment.

(c) शीतयुद्धोत्तर विश्व की प्रकृति का वर्णन करने वाले फुकुयामा तथा हंटिंगटन द्वारा प्रतिपादित सिद्धान्तों को संक्षेप में समझाइए । 10
Explain briefly the theories propounded by Fukuyama and Huntington describing the nature of post Cold War World.

Downloaded from: http://studymarathon.com/

4. (a) ब्रेक्जिट, यूरोपीय संघ के विश्वशक्ति के रूप में उभरने की संभावना पर एक कुठाराघात है। चर्चा कीजिए। 15
Brexit is a massive setback to the European Union's possibilities of emerging as a superpower. Discuss.

(b) नवीन अन्तर्राष्ट्रीय आर्थिक व्यवस्था की माँग गैर पश्चिमी देशों का विश्व राजनीति को अनूठा योगदान है। इस व्यवस्था के औचित्य को समझाइये। 15
The Demand of New International Economic Order is a unique contribution of the non-Western nations to world politics. Explain the rationale behind this order.

(c) संयुक्त राष्ट्र संघ जलवायु परिवर्तन सम्बन्धी COP-25 की उपलब्धियों एवं असफलताओं का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए। 10
Critically evaluate the achievements and failures of COP-25 related to UN conference on climate change.

खण्ड – ब / SECTION – B

5. (a) हालांकि वैश्वीकरण अन्तर्राष्ट्रीयकरण को बढ़ावा देता है, किन्तु विश्व में हाल के राजनीतिक निर्णय राज्य केन्द्रित दृष्टिकोण की ओर परिवर्तन इंगित कर रहे हैं। उचित उदाहरणों के साथ इस कथन पर प्रकाश डालिये। 15
Although Globalization promotes internationalization, but recent political decisions in the world mark a shift towards a nation-centric approach. Throw light on this statement with suitable examples.

(b) विगत दो दशकों में रूस की विदेश नीति की प्रमुख विशेषताओं का परीक्षण कीजिए। 15
Examine the main features of the foreign policy of Russia in the last two decades.

(c) संयुक्त राज्य अमरीका एवं चीन का संबंध संघर्ष एवं प्रतिस्पर्धा का मिश्रण है। आप इस विचार से कहाँ तक सहमत हैं ? कारण बताइये। 10
The relations between United States of America and China are a mix of conflict and competition. How far do you agree with this view ? Give reasons.

6. (a) समकालीन परिदृश्य में भारत की पूर्वोन्मुखी नीति (एक्ट ईस्ट) के राजनीतिक आयाम की अपेक्षा, आर्थिक एवं सामरिक आयाम अधिक हैं। टिप्पणी कीजिए। 15
India's Act East Policy has more of economic and strategic dimensions rather than political in the contemporary scenario. Comment.

(b) पश्चिम एशिया में जनरल सोलेमानी की हत्या के बाद अमरीकी–इरान संबंधों तथा इसके विश्वव्यापी परिणामों का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए। 15
Critically evaluate the U.S. - Iran Relations and its worldwide eventual consequences after the assassination of General Soleimani in West Asia.

Downloaded from: http://studymarathon.com/

(c) तृतीय विश्व के देश सदैव ही अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति को आकार देने में सहायक रहे हैं । समय-समय पर उनके द्वारा प्रस्तुत प्रमुख माँगों को चिन्हित कीजिए । 10
The Third World Countries have always been instrumental in shaping international politics. Identify the major demands put forth by them from time to time.

7. (a) समकालीन अन्तर्राष्ट्रीय परिदृश्य में एक उभरती हुई वैश्विक शक्ति के रूप में भारत की संभावनाओं का परीक्षण कीजिए । 15
Examine the prospects of India as an emerging global power in the contemporary international scenario.

(b) क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक भागीदारी (RCEP) समझौते में भारत के शामिल न होने के निर्णय का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए । 15
Critically evaluate India's decision of not joining the Regional Comprehensive Economic Partnership (RCEP) Pact.

(c) राष्ट्रपति ट्रम्प की प्रस्तावित 'मिडिल ईस्ट' योजना का वर्णन कीजिए । क्या आप सहमत हैं कि यह फिलिस्तीनी और इजरायली लोगों के जीवन में सुधार ला सकती है ? 10
Describe President Trump's proposed 'Middle East' Plan. Do you think it can improve the lives of Palestinians and Israelis.

8. (a) उत्तर-दक्षिणी संवाद से आप क्या समझते हैं ? इसके मार्ग में आने वाली उन प्रमुख बाधाओं का परीक्षण कीजिए । जिनके कारण प्रगति बहुत उत्साहवर्धक नहीं है । 15
What do you understand by North-South Dialogue ? Examine the major impediments in its path leading to a not so encouraging progress.

(b) कुछ अवरोधों के होते हुए भी भारत-इजरायल आपसी संबंध प्रतिवर्ष घनिष्ठ हो रहे हैं । इस मतबिन्दु पर प्रकाश डालिये । 15
The bilateral relations between India and Israel are getting stronger every year despite some constraints. Throw light on this view point.

(c) कई चुनौतियों के बावजूद हिन्द महासागर क्षेत्र इक्कीसवीं शताब्दी में धरती का भाग्य नियता होगा । आप इस मत से कहाँ तक सहमत हैं ? कारण बताइये । 10
Despite multiple challenges, the Indian Ocean Region is set to define the destiny of the planet (Earth) in the Twenty first Century. How far do you agree with this view ? Give reasons.

Downloaded from: http://studymarathon.com/